To Safeguard the Data of Parivar Pehchan Patra

722. SH. VARUN CHAUDHRY, MLA.: Will the Chief Minister be pleased to state the steps taken by the Govt. to safeguard the data of Parivar Pehchan Patra in state together with the expenditure incurred by the Govt. for the same till 31st January 2022?

REPLY OF THE CHIEF MINISTER

Data in Parivar Pehchan Patra (PPP) database is stored securely on Government Cloud. The portal works on authorized user access basis only and does not provide open access to data. PPP Application has been security audited from Cert-In empanelled agencies. The security audit shall be repeated every year to safeguard the PPP software application. A Disaster Recovery site has been created at Gurugram Metropolitan Development Authority, Gurugram where data is being replicated for recovery, in case primary site at Chandigarh is down.

Development of the application is done within (in-house) and no vendor is involved with PPP. The portal is presently maintained on behalf of Haryana Parivar Pehchan Authority (HPPA) by National Information Centre (NIC) and security protocols prescribed by NIC nationally are followed. The security measures are put in place to protect loss, misuse or alteration of data. Since NIC provides services free of cost no specific expenditure has been made on security.

The data available with Parivar Pehchan Patra is only for use by Government and Government agencies in the delivery of Government schemes, subsidies, benefits and services and for planning purposes.

परिवार पहचान पत्र के डेटा की सुरक्षा करना

722. श्री वरुण चौधरी, एम0एल0ए0:– क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि राज्य में परिवार पहचान पत्र के डेटा को सुरक्षित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए तथा 31 जनवरी, 2022 तक इस पर कितना खर्च किया गया ?

मुख्यमंत्री का उत्तर :–

परिवार पहचान पत्र (पी.पी.पी.) डेटाबेस में डेटा का संग्रह सरकारी क्लाउड पर सुरक्षित रूप से किया जाता है। इस पोर्टल पर केवल अधिकृत उपयोगकर्ता की पहुंच होती है और हर किसी को डेटा तक खुली पहुंच प्रदान नहीं की गई है। पी.पी.पी. एप्लीकेशन का सुरक्षा ऑडिट Cert-in-empanelled एजेंसियों द्वारा करवाया गया है। पी.पी.पी. सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन की सुरक्षा के लिए यह सुरक्षा ऑडिट हर साल करवाया जाएगा। यदि चंडीगढ़ में प्रमुख साइट डाउन हो जाती है, तो गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, गुरुग्राम में एक डिजास्टर रिकवरी साइट बनाई गई है, जहां रिकवरी के लिए डेटा की प्रतिकृति सुरक्षित है।

एप्लिकेशन का विकास इन–हाउस किया गया है और इसमें किसी भी Vendor को शामिल नहीं किया गया है। वर्तमान में पोर्टल का रखरखाव राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एन.आई.सी.) द्वारा हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण (एच.पी.पी.ए.) की ओर से किया जाता है और राष्ट्रीय स्तर पर एन.आई.सी. द्वारा निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है। डेटा को नुकसान, दुरुपयोग या परिवर्तन से बचाने के लिए सभी सुरक्षा उपाय किए गये हैं। चूंकि एन.आई.सी. मुफ्त सेवाएं प्रदान करता है, इसलिए सुरक्षा पर कोई विशेष खर्च नहीं हो रहा है।

परिवार पहचान पत्र में उपलब्ध डेटा का उपयोग केवल सरकार और सरकारी एजेंसियों द्वारा सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, लाभ व सेवाओं के वितरण तथा योजना बनाने के उद्देश्यों के लिए किया जाता है।